राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कृतसंकल्पित : भजनलाल शर्मा

राज्य महिला सदन में 11 आवासनियों का विवाह सम्मेलन हुआ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 11 लाडलियों और उनके जीवनसाथियों को सुखी-वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जरूरतमंदों का सहारा बन रहे हैं। ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। शर्मा शुक्रवार को राज्य महिला सदन, सांगानेर में सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हमारी सरकार की सामाजिक समावेशन और महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह आयोजन सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित बेटियों के लिए एक नया सवेरा है। इससे उन्हें सम्मान, स्नेह और आत्मनिर्भरता की राह मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले सामूहिक विवाह के बाद 1900 से अधिक युवकों ने यहां की बेटियों से विवाह के लिए आवेदन किया था। इनमें से 11 योग्य युवकों का चयन किया गया, जो आज हमारी लाड़लियों के जीवनसाथी बने हैं। यह चयन प्रक्रिया पारदर्शी रही, इसमें बेटियों के सम्मान और पसंद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। शर्मा ने कहा कि हमारा दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश की हर बेटी, हर महिला न केवल आत्मनिर्भर बने, बल्कि समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। हमारी सरकार ने उनके कल्याण और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं, जिनका सीधा लाभ लाखों बालिकाओं और महिलाओं तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में विवाह के लिए 21 हजार से 51 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पिछले डेढ़ वर्ष में 13 हजार से ज्यादा बेटियों को 71 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। लाडो प्रोत्साहन योजना बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने 11 लाड़लियों और उनके जीवनसाथियों को सुखी-वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 21-21 हजार रुपये की सहायता राशि के चैक भेंट किए।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, आयुक्त नगर निगम ग्रेटर डॉ. गौरव सैनी, प्रताप राव, राजीव सिंह चौहान, डी.डी. सिंह, बबीता शर्मा, रीना शर्मा सहित समाजसेवी एवं आमजन उपस्थित रहे।

'चातुर्मास मंगल प्रवेश आत्म कल्याण का पावन प्रभात'

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संतशक्ति को नमन करते हुए कहा कि चातुर्मास मंगल प्रवेश आत्म कल्याण का पावन प्रभात है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन आत्मशुद्धि, संयम और साधना का जीवंत प्रतीक है। आचार्यश्री और समस्त साधु-साध्वियों के साथ चातुर्मास समाज को आंतरिक परिवर्तन, करुणा और अध्यात्म की दिशा में अग्रसर करने वाला पर्व है। देवनानी ने यहां तिलक नगर स्थित श्री साधुमार्गी शांत क्रांति जैन संघ द्वारा नवकार भवन में आयोजित समारोह में श्रद्धालुओं को सम्बोधित किया। देवनानी ने कहा कि आचार्यश्री के ओजस्वी प्रवचनों ने अंतर्मन को मंथन यात्रा के लिए प्रेरित किया है। विश्ववल्लभ आचार्य प्रवर 1008 प. पू. विजयराज के सान्निध्य में उनके आजानुवर्ती 30 साधु-साध्वियों ने चातुर्मास मंगल प्रवेश किया।

प्रगतिशील पूर्व विधायक संघ का एक प्रतिनिधि मंडल संघ के अध्यास जीतराम चौधरी के नेतृत्व में राजस्थान के राज्यपाल माननीय हरिभाऊ वागडे से मिला और अपनी विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसे उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल को भेज दिया। प्रतिनिधि मंडल में उपाध्याय रामकिशोर मीणा सचिव अत्तरसिंह भड़ाना, ममता शर्मा एवंअशोक तंवर शामिल थे।

सूचना सहायक भर्ती के नियुक्ति पत्र जारी करने पर लगी रोक हटी, याचिकाएं खारिज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सूचना सहायक भर्ती-2023 में नियुक्ति पत्र जारी करने पर लगी अंतरिम रोक को हटा लिया है। इसके साथ ही अदालत ने विवादित प्रश्न-उत्तरों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश बबीता बाई बैरवा व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अदालत न तो विषय विशेषज्ञ है और ना ही विशेषज्ञ की तरह काम कर सकता है। याचिकाकर्ताओं ने लिखित परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल नहीं उठाया है। याचिकाकर्ता सिर्फ अंतिम उत्तर कुंजी से सहमत नहीं है। वहीं अंतिम उत्तर कुंजी जारी करने से पूर्व सवालों का विषय विशेषज्ञों से परीक्षण कराया गया है। ऐसे में विवादित प्रश्नों के उत्तरों पर फिर से विचार करने के लिए नई विशेषज्ञ कमेटी गठित करने का कोई औचित्य नहीं है। याचिकाओं में कहा गया कि राज्य सरकार ने सूचना सहायकों के 3415 पदों के लिए भर्ती निकाली थी। जिसकी लिखीत परीक्षा 21 जनवरी, 2024 को हुई और प्रथम उत्तर कुंजी 2 फरवरी, 2024 को जारी की गई।

याचिका में कहा गया कि उत्तर कुंजी में कुछ सवालों के जवाब गलत जांचे गए। जिसके चलते याचिकाकर्ताओं के अंक कम आए और वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो गए। इसलिए विवादित प्रश्नों की जांच के लिए विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि चयन बोर्ड ने अभ्यर्थियों से आपत्तियां मांगकर उनका विशेषज्ञों से परीक्षण करवाकर अंतिम उत्तर कुंजी जारी की थी। ऐसे में अदालत विशेषज्ञ की रिपोर्ट पर दखल नहीं दे सकती है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाओं को खारिज करते हुए पूर्व में नियुक्ति पत्र जारी करने लगी रोक को हटा दिया है।

अपील के निर्णय के अधीन रहेगी नर्सिंग ऑफिसर भर्ती

- सीएचए व सीएचओ का काम अपीलार्थियों के समान नहीं है

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में कोविड काल में संविदा पर दो साल से भी कम समय काम करने वाले कोविड हेल्थ वर्कर व कोविड हेल्थ ऑफिसर को कार्य अनुभव के 15 बोनस अंक का लाभ देने के मामले में राज्य सरकार से जवाब देने के लिए कहा है। वहीं भर्ती की चयन प्रक्रिया को अपील में होने वाले निर्णय के अधीन रखा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस मनीष शर्मा ने यह आदेश मनोहर लाल की अपील पर दिया।

मामले से जुड़े अधिवक्ता प्रदीप सिंह ने बताया कि अपील में एकलपीठ के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एकलपीठ ने याचिकाकर्ता की याचिका को खारिज कर दिया था। अपील में कहा कि राज्य सरकार ने 25 अप्रैल 2023 को अधिसूचना जारी कर कोविड काल में संविदा पर दो साल से भी कम समय काम करने वाले कोविड हेल्थ वर्कर व कोविड हेल्थ ऑफिसर को कार्य अनुभव के 15 बोनस अंक का लाभ देने के लिए कहा है। यह गलत है, इससे कोविड में एक दिन काम करने वाला अभ्यर्थी भी बोनस अंक का पात्र हो गया है।

इसके अलावा सीएचए व सीएचओ का काम अपीलार्थियों के समान नहीं है। ऐसे में सीएचए व सीएचओ को कार्य अनुभव के बोनस अंक देने से अपीलार्थी अस्थाई वरीयता सूची से बाहर हो गए हैं। जबकि वे पिछले 7-8 साल से नियमित तौर पर नर्सिंग का काम कर रहे हैं। उन्हें बोनस अंक देने से अपीलार्थियों के हित भी प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए दो साल से कम काम करने वाले सीएचए और सीएचओ को बोनस अंक का लाभ नहीं दिया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगते हुए चयन प्रक्रिया को अपील के निर्णय के अधीन रखा है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। विधाधर नगर थाना पुलिस ने संगीन अपहरण की वारदात का 12 घंटे में खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार एक नाबालिक बालक को भी निरुद्ध किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात के काम में ली गई बोलेरो कैम्पर गाड़ी भी बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए करीब 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और रुट मैप तैयार कर आरोपियों को दबोच लिया।

कथा समापन दिवस पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

- शिव महापुराण कथा शिव तत्व की प्राप्ति का श्रेष्ठ माध्यम : संतोष सागर

जयपुर। श्री शिव महापुराण कथा समिति की ओर से बनीपार्क में आयोजित शिव महापुराण कथा में शुक्रवार अंतिम दिवस को भगवान शिव के महामृत्युंजय और पंचाक्षरी मंत्र की महिमा, महान शिवभक्तों के चरित का बखान कथावाचक संतोष सागर ने व्यास पीठ से किया।

संतोष सागर ने बताया कि भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होने वाले देव हैं। पंचाक्षरी मंत्र का जप उनकी विशेष कृपा देने वाला है। महामृत्युंजय जप जीव को मुक्ति देने वाला है। अनेक शिव भक्तों ने इन मंत्रों के जप और भगवान शिव के प्रति समर्पण के भाव से शिवलोक प्राप्त किया। समिति के महामंत्री अरुण खटोड़ ने बताया कि कथा के दौरान इस अनुष्ठान में सहयोग करने वाले समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सहयोगियों का व्यास पीठ की ओर से स्मृति चिह्न देकर आभार जताया गया। कथा के अंतिम दिवस भक्त भारी संख्या में उपस्थित रहे। 22 युगल जोड़े ऐसे रहे जिन्होंने अनुष्ठान के सभी नियमों का पालन करते हुए पूरे 9 दिन कथा श्रवण किया। समिति ने इन यजमान जोड़ों का विशेष सम्मान किया। कथा श्रवण में अतिथि के तौर पर घाट के बालाजी के महंत सुरेश मिश्रा, भाजपा नेता अशोक परनामी, एस एस अग्रवाल, संजय जैन, प्रधान यजमान हेरिटेज जयपुर नगर निगम मेयर कुसुम यादव सहित कार्यकर्ता व श्रोता उपस्थित रहे।

'लापताओं की तलाश के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाए'

- हाईकोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को कहा कि राजस्थान पुलिस की जांच का ढर्रा अभी भी पुरानी तरह से ही चल रहा है, आज एआई सहित मॉडर्न तकनीक आ गई है, लेकिन पुलिस उसका उपयोग नहीं कर रही है

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को कहा है कि राजस्थान पुलिस की जांच का ढर्रा अभी भी पुरानी तरह से ही चल रहा है। आज एआई सहित मॉडर्न तकनीक आ गई है, लेकिन पुलिस उसका उपयोग नहीं कर रही है। अदालत ने कहा कि लापताओं की तलाश के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाए। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश नरेंद्र सिंह रावत अन्य की और से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान डीजीपी राजीव शर्मा अदालत में पेश हुए। अदालत ने उन्हें कहा कि पुलिस लापता की तलाश की जांच मोबाइल तक ही सीमित रखती है। आजकल का युवा मोबाइल की तकनीक को भली-भांति समझता है। वहीं यदि पुलिस को जानकारी मिलती है कि आरोपी सुदूर इलाके में है तो पुलिस यहां से टीम बनाकर भेजती है। जब तक पुलिस वहां पहुंचती है, आरोपी वहां से निकल जाता है। यदि पुलिस उचित तकनीक काम में ले तो स्थानीय पुलिस की मदद से कुछ मिनट में ही आरोपी को पकड़ा जा सकता है। अदालत ने एक मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि 2 साल के बच्चे की तलाश 6 साल बाद भी जारी है, लेकिन पुलिस के पास उसका स्केच तक नहीं है। ऐसे में पुलिस किस आधार पर जांच कर रही है, यह समझ के परे है। अदालत में यह भी कहा कि मामलों की सुनवाई के दौरान कोर्ट के ऑब्जरवेशन को जांच अधिकारी अदालत का निर्देश समझ लेते हैं, जो भी उचित नहीं है। अदालत ने डीजीपी को कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि आपके कार्यकाल में कुछ अच्छा हो जाए। डीजीपी ने अदालत को कहा की लापताओं की तलाश नई तकनीक से की जाती है। वहीं अब अदालत की मंशा को देखते हुए मॉडर्न तकनीक काम में लाई जाएगी। अदालत में खाटू श्यामजी इलाके से लापता हुए 40 वर्षीय व्यक्ति के मामले में नामजद व्यक्ति की सहमति से उसका पॉलीग्राफ टेस्ट करने को कहा है। वहीं अदालत ने मामले में 10 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में अधिवक्ता नगेंद्र सिंह ने बताया कि अप्रैल 2024 में उसका भाई खाटू श्याम जी इलाके से लापता हुआ था। इसे लेकर स्थानीय पुलिस थाने में नामजद रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। इसके बावजूद अभी तक पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। वहीं एक अन्य मामले में अधिवक्ता एसएस अली ने बताया कि रामगंज थाना इलाके से 6 फरवरी 2024 को 15 वर्षीय किशोरी लापता हुई थी। आरोपी युवक का घर पीड़िता के घर के सामने ही है। पुलिस को नामजद रिपोर्ट देने के बाद भी अब तक पुलिस ने पीडिता की बरामद की नहीं की है। दूसरी ओर संबंधित युवक के परिजनों ने भी युवक के लापता होने की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। जिससे जाहिर है कि युवक के परिजनों को युवक को लेकर जानकारियां हैं।

'स्मार्ट मीटर नहीं, स्मार्ट बिजली व्यवस्था चाहिए'

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने राजस्थान सरकार द्वारा पुरानी मीटरिंग प्रणाली को हटाकर स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं के साथ छलावा बताया है ।उन्होंने कहा कि सरकार आम उपभोक्ताओं के हितों को दरकिनार कर केवल कुछ चुनिंदा कंपनियों को लाभ पहुंचाने का जरिया बन गई है। इसी कारण सरकार के इस पूरे अभियान की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठते हैं।

कांग्रेस नेता खंडेलवाल ने कहा कि जहां सरकार एक ओर यह दावा कर रही है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद होंगे, वहीं दूसरी ओर हाल ही में सामने आए तथ्यों के अनुसार स्मार्ट मीटर से रीडिंग कम नहीं बल्कि काफ़ी ज़्यादा आ रही हैं। एक उपभोक्ता द्वारा की गई जांच में पाया गया कि सामान्य मीटर से 279 यूनिट का उपयोग दर्ज हुआ, वहीं स्मार्ट मीटर ने उसी अवधि में 429 यूनिट दिखाए इससे 150 यूनिट का अंतर सीधा सीधा अत्यधिक बिल में तब्दील होता है । यह अंतर उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा हमला है।जबकि सरकार का तर्क है कि स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी रुकेगी, रीडिंग ऑनलाइन जाएगी, और लाइव डाटा मिलेगा। लेकिन हकीकत यह है कि जो कार्य एक लाइनमैन करता है - जैसे चोरी पकड़ना, मीटर की जांच करना, उपभोक्ताओं से संपर्क बनाए रखना - वो काम एक मशीन नहीं कर सकती।कांग्रेस नेता खंडेलवाल ने बताया कि 1995-1996 से राजस्थान में कई बार मीटर बदल हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए ।अब पुन: इन पुराने मीटरो को हटाकर स्मार्ट मीटर लगाने की जबरदस्ती की जा रही है

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार का यह प्रोजेक्ट लगभग 10,000 करोड़ का है इसमें से सिर्फ 15 (900 रुपए प्रति मीटर) की सहायता केंद्र देगा ।बाकी पूरा खर्च राज्य और उपभोक्ता उठायेगे ।अगर राज्य सहयोग नहीं करता तो केंद्र 5,400 करोड़ रुपयों की सहायता राशि रोकने की धमकी दी गई है। ऊपर से सूर्यघर योजना के तहत एक और स्मार्ट मीटर का प्रावधान कर दिया गया है जिससे कुल खर्च 20,000 करोड़ हो जाएगा।

गिरिराज खंडेलवाल ने राज्य सरकार के इस निर्णय को ग़लत बताते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर लगवाना उपभोक्ताओं का वैकल्पिक अधिकार होना चाहिए, न कि जबरन थोपी गई व्यवस्था।

ज्वैलर्स से लूटपाट करने वाले पांच बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। प्रताप नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 28 जून की रात को एक ज्वैलर्स से लूटपाट करने वाले पांच बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी मनोज कुमार बरेवाल ने बताया कि चंद्र प्रकाश सोनी ने मामला दर्ज करवाया था कि वह सेक्टर 26 प्रताप नगर में वर्ष 2004 से रह रहा है और वह मूलत बाटौदा जिला सवाई माधोपुर का रहने वाला है। उसकी शुभम ज्वैलर्स के नाम से दुकान है 28 जून की रात को दुकान मंगल कर घर जा रहा था तो प्रेम मंदिर के पास उसके घर की गली में मुड़ते ही उक स्कॉर्पियो गाड़ी ने टक्कर मार कर उसे नीचे गिर गया। इसके बाद गाडी में से दो-तीन लड़के उतरे और डंडों से मारते हुए बैग लूट कर ले गये। बैग में 25 हजार रूपय नगद 15 ग्राम सोना व 12 किलो चांदी सामान सहित एटीएम कार्ड ,चेक बुक आदि सामान था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आस-पास के लगे सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों का रूट तैयार करते हुए सवाई माधोपुर, जयपुर व टोंक से डिटेन कर पांच बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया गया।

स्वप्रेरित प्रसंज्ञान अलवर बालिका गृह तक किया सीमित, गुप्ता न्यायमित्र नियुक्त

- बालिका गृह की किशोरियों की ओर से भेजे पत्र पर ही अदालत सुनवाई करेगी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर बालिका गृह की अव्यवस्थाओं और शेल्टर होम से बाहर निकले वयस्कों के लिए प्रावधान नहीं होने के संबंध में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान को अलवर बालिका गृह तक सीमित किया है। अदालत ने कहा कि बालिका गृह की किशोरियों की ओर से भेजे पत्र पर ही अदालत सुनवाई करेगी। इसके साथ ही अदालत ने मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर गुप्ता को अदालत का सहयोग करने के लिए न्यायमित्र नियुक्त किया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

महाधिवक्ता मनोज कुमार शर्मा को तीन सप्ताह में बताने को कहा है कि किशोरियों की ओर से भेजी गई शिकायत पर क्या कार्रवाई की गई है। यदि मामले में सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है तो अदालत मामले में कठोर रुख अपनाएगी। गौरतलब है कि अलवर बालिका गृह में रहने वाली किशोरियों की ओर से गत दिनों हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को शिकायती पत्र भेजा था। जिसमें कहा गया था कि सरकारी अधिकारियों की निष्क्रियता के चलते उन्हें अनुदान मिलने में गंभीर चुनौतियां हो रही हैं। इसके साथ ही अधिकारियों पर प्रताडऩा का भी आरोप लगाया गया था। पत्र पर कार्रवाई करते हुए हाईकोर्ट की एकलपीठ ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही अदालत ने वयस्क होने पर शेल्टर होम छोड़ने वाले वयस्कों के लिए कोई प्रावधान नहीं होने के बिंदु पर भी केन्द्र व राज्य सरकार से जवाब तलब किया था। एकलपीठ ने कहा था कि शेल्टर होम में रहने वाले हजारों युवाओं को वयस्क होते ही बिना किसी पहचान, स्थाई पते और बिना सहारे बाहरी दुनिया में धकेल दिया जाता है।

विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

जयपुर। रामगंज थाना थाना इलाके में एक विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का सवाई मानसिंह अस्पताल(एसएमएस) में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मृतका की मां की शिकायत पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सहायक पुलिस आयुक्त (रामगंज) हरिशंकर शर्मा ने बताया कि रामगंज में नेहरो की नदी निवासी लाली देवी (35) ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की है। जिसकी मई-2018 में शादी राहुल तिमोली से हुई थी।

मृतका लाली ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के कमरे में जाने पर लाली देवी फंदे से लटकी मिली। फंदे से उतारकर लाली देवी को तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) पहुंचाया। डॉक्टर्स ने चेक कर उसे मृत घोषित कर दिया।

मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

मोहर्रम पर सोशल मीडिया तक रहेगी पुलिस की कड़ी निगरानी

- राजधानी में पुलिस के कड़े इंतजाम , सादा वर्दी में तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी

जयपुर। मोहर्रम का पर्व छह जुलाई को है। इस दौरान शहर के अलग-अलग इलाकों से ताजिए निकाले जाएंगे। मोहर्रम पर शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर जयपुर पुलिस ने कड़े व पुख्ता इंतजाम किए हैं। इस दौरान असामाजिक तत्वों पर सड़क से सोशल मीडिया तक पुलिस कड़ी निगरानी रखेगी।

पुलिस, आरएसी और होमगार्ड के साथ ही सादा वर्दी में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। जो असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे। इसें अलावा अभय कमांड सेंटर से शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। सोशल मीडिया पर अफवाहे फैलाने और भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर भी नजर रखी जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि छह जुलाई (रविवार)को मोहर्रम का पर्व मनाया जाएगा। इसे देखते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के सभी जिलों में तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी जगह पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। साथ ही थानों और जिलों के अलावा पुलिस लाइन का भी जाप्ता तैनात किया जाएगा। आरएसी और होमगार्ड का जाप्ता तैनात किया जाएगा। वहीं ट्रैफिक को लेकर भी माकूल इंतजाम किए जाएंगे,ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

लाइसेंसधारी ताजियों को ही दी अनुमति:- उन्होंने कहा कि शांति समिति और सीएलजी की बैठकों का आयोजन किया गया है। थानों और जिलों के साथ ही जयपुर पुलिस कमिश्नरेट स्तर पर भी शांति समिति और सीएलजी की बैठकों का आयोजन किया गया है। ताजिए के लाइसेंसधारकों के साथ भी बैठक ली गई है।

उन्होंने बताया कि लाइसेंसधारी ताजियों को ही अनुमति दी गई है। इस संबंध में सभी को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही थाना अधिकारियों भी निर्देश जारी किए गए हैं । थानाधिकारी अपने स्तर पर प्रॉपर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। थानाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में निर्देशों की पालना सुनिश्चित कर रहे हैं।

यातायात के भी किए जाएंगे माकूल इंतजाम: उन्होंने कहा कि मोहर्रम पर भीड़भाड़ अधिक रहती है। इसे देखते हुए भी पुलिस की ओर से पूरी सतर्कता बरती जाएगीं इसके साथ ही यातायात को लेकर भी माकूल इंतजाम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभय कमांड सेंटर की मदद से पूरे शहर में निगरानी रखी जाएगी।

उन्होंने बताया कि अफवाहों को लेकर पुलिस की साइबर सेल की टीमें सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

इसके साथ ही सादा वर्दी में अलग से जाप्ता तैनात किया जाएगा। जो बदमाश और असामाजिक प्रवृत्ति के लोगों पर निगरानी रखेगी। जो भी असामाजिक तत्व बदमाशी करने की कोशिश करेंगे। उनके खिलाफ समय रहते कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोटेरियन शिल्पा बेंद्रे को मिला मिस्टर रोटेरियन का प्रतिष्ठित सम्मान

जयपुर । रोटरी क्लब जयपुर की सक्रिय सदस्य रोटेरियन शिल्पा बेंद्रे को हाल ही में आयोजित एक भव्य समारोह में दोहरे सम्मान से नवाजा गया, जिससे उनकी असाधारण सेवाओं और नेतृत्व को मान्यता मिली। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 की प्रांतपाल डॉ. राखी गुप्ता ने उन्हें आउटस्टैंडिंग लेडी रोटेरियन के खिताब से सम्मानित किया। एक समारोह में, उन्हें रोटरी क्लब जयपुर का प्रतिष्ठित मिस्टर रोटेरियन अवॉर्ड 2024-25 भी प्रदान किया गया, जो क्लब का सर्वोच्च सम्मान है।

यह सम्मान रोटरी के विभिन्न आयामों में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है। रोटरी क्लब जयपुर के सत्र 2024-25 के अध्यक्ष, रोटेरियन गिरधर माहेश्वरी ने बताया कि मिस्टर रोटेरियन अवॉर्ड उस सदस्य को प्रदान किया जाता है जिसने रोटरी सेवा के पांच प्रमुख आयामों (क्लब सेवा, व्यावसायिक सेवा, सामुदायिक सेवा और अंतरराष्ट्रीय सेवा और पार्टनर इन सर्विस) में अद्वितीय योगदान और प्रभावशाली नेतृत्व के साथ संस्था के मूल्यों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाया हो। रोटेरियन शिल्पा बेंद्रे को पूरे वर्ष उनके सराहनीय सेवा कार्यों के लिए सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

भस्मासुर मोहिनी में जीवंत हुए पौराणिक प्रसंग, कचहरी में ताल वाद्यों की गूंज

- जवाहर कला केन्द्र में आयोजित तीन दिवसीय मल्हार महोत्सव में नज़ारा देखने को मिला। यहां ताल वाद्य कचहरी और कथक की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी
- शास्त्रीय नृत्य कथक की दो विशेष प्रस्तुतियाँ रंगायन के मंच पर देखने को मिली। एक ओर नाट्यय रूप में भस्मासुर मोहिनी, दूसरी कथक की जटिल लयकारी पर आधारित 9 मात्रा का तकनीकी पक्ष

जयपुर। सुहाना मौसम, चारों ओर हरियाली और शास्त्रीय विधाओं की प्रस्तुतियां। जवाहर कला केन्द्र में शुक्रवार शाम यह नज़ारा देखने को मिला। यहां ताल वाद्य कचहरी और कथक की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी। परमेश्वर लाल कथक व समूह के कलाकारों ने ताल वाद्य कचहरी में अपना हुनर दिखाया। वहीं दिनेश परिहार ने कथक संरचना भस्मासुर मोहिनी व पारंपरिक शुद्ध कथक पेश कर दर्शकों का मन मोहा। इसी के साथ वर्षा ऋतु के सौंदर्य से रूबरू करवाने वाले तीन दिवसीय मल्हार महोत्सव का समापन हुआ।

सबसे पहले 8 वर्षीय प्रिंस कथक और शौर्य बेनीवाल ने अपनी नन्ही अंगुलियों का जादू तबले पर दिखाया। दोनों की जुगलबंदी के साथ कार्यक्रम की बेहतरीन शुरुआत हुई। इसके बाद ताल वाद्य कचहरी में विभिन्न ताल वाद्यों तबला, नगाड़ा, घटम, ढोलक, पखावज, जेम्बे की संयुक्त प्रस्तुति हुई। कलाकारों ने तीन ताल में विलंबित लय और द्रुत लय में वादन कर अपने हुनर का जलवा दिखाया। तबले पर परमेश्वर लाल कथक, मोहित कथक, नगाड़े पर मनीष कुमार देवली, घटम पर धीरज कुमार चौहान, ढोलक पर राकेश कुमार नागौरी और मुकेश कुमार चौहान ने जेम्बे वादन किया। किशन कथक ने सितार व सांवरमल कथक ने हारमोनियम पर संगत की।

इसके बाद शास्त्रीय नृत्य कथक की दो विशेष प्रस्तुतियाँ रंगायन के मंच पर देखने को मिली। एक ओर नाट्यय रूप में भस्मासुर मोहिनी, दूसरी कथक की जटिल लयकारी पर आधारित 9 मात्रा का तकनीकी पक्ष।

पहले नृत्य प्रस्तुति में कथक के नृत्य पक्ष की सूक्ष्मता,लयकारी, तोड़ा, टुकड़ा, परण और पढ़ंत की सुंदरता झलकी। पौराणिक कथा पर आधारित नृत्य नाटिका भस्मासुर मोहिनी में अभिनय, भाव एवं नृत्य का प्रभावशाली संगम दिखाई दिया। इसमें शिव, भस्मासुर और मोहिनी अवतार के प्रसंग को जीवंत किया गया। मुकेश गंगानी ने भगवान शिव, पूर्णिमा अरोड़ा ने मां पार्वती, दिनेश परिहार ने भस्मासुर, मोनिका अग्रवाल ने मोहिनी और जीवराज ने भगवान विष्णु की भूमिका निभाई।

हितेश गंगानी, लक्ष्य पंवार एवं गौरव ने अपनी सामूहिक प्रस्तुति से कार्यक्रम को और विशेष बनाया। कार्यक्रम को खास बनाने में प्रणय भारद्वाज ने अपने मंच संचालन से विशिष्ट भूमिका निभाई।